THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): No. Sir. Some members of the faculty have, however, submitted a memorandum to the Minister of Health and Family Welfare who is also the President of the Institute asking, *inter-alia*, for the redesignaton and better promotional avenues for the faculty members. The Academic Committee of the Institute has been requested to give their recommendations in this regard?

Setting up of National Institute of Maternal and Child Health at Nagpur

1527. SHRI VISHWASRAO RAMRAO PATIL: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Maharashtra Government has sent a proposal to the Government of India on the 12th December, 1986 for setting up a National Institute of Maternal and Child Health at Nagpur;

(b) whether it is also a fact that an Expert Group visited Nagpur and the State Government promised that it would give all assistance needed for setting up this Institute at Nagpur;

(c) if so, what are the details thereof; and

(d) what is the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) and (b) Yes, Sir.

(c) and (d) The matter is under consideration.

आयुर्विज्ञान संस्थान

1528. **श्री अश्विनी कुमार** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के विभिन्न स्थानों पर स्थित उन आयुर्विज्ञान संस्थानों का ब्यौरा क्या है जहां पर एलोपैथिक पद्धति के साथ-साथ आयुर्वेदिक पद्धति से शिक्षा एवं इलाज की व्यवस्था की गयी है ;

(ख) क्या अखिल भारतीय स्तर पर कोई आयुर्वेद संस्थान खोला गया है अथवा खोले जाने का विचार है ; और

(ग) आयुर्वेदिक पद्धति को लोकप्रिय बनाने के लिए सरकार के विचाराधीन कौन-कौन सी योजनायें हैं और उनके कब तक लागू किये जाने की संभावना है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) केन्द्र सरकार द्वारा स्थापित आयुर्विज्ञान की कोई संस्था एलोपैथिक पद्धति के साथ-साथ आयुर्वेदिक पद्धति के माध्यम से शिक्षा और उपचार की व्यवस्था नहीं करती ।

(ख) राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान नामक एक संस्थान जयपुर में स्थापित किया गया है जिसका उद्देश्य आयुर्वेद का विकास करना स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर स्तर की चिकित्सा शिक्षा प्रदान करना और आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान करना आदि है ।

(ग) सरकार स्वास्थ्य परिचर्या प्रदान करने के कार्यक्रम के एक भाग के रूप में भारतीय चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है । नैदानिक अनुसंधान, औषध अनुसंधान, औषध मानकीकरण, साहित्यिक अनुसंधान, औषधीय पादपों के सर्वेक्षण आदि के लिए केन्द्रीय आयुर्वेद और सिद्ध अनुसंधान परिषद की स्थापना की गई है । इस परिषद ने अनुसंधान निष्कर्षों तथा मलेरिया, मिरगी आदि के उपचार के लिए इसके द्वारा विकसित पेटेन्ट को लोकप्रिय बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम शुरू किए हैं ।